RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
दिसंबर
03
2024

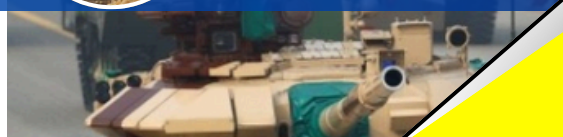

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

By Ankit Avasthi Sir

वधावन ग्रीनफील्ड पोर्ट / Wadhawan Greenfield Port

महाराष्ट्र के दहानू के पास निर्माणाधीन वधावन ग्रीनफील्ड पोर्ट, भारत के कंटेनर व्यापार को वर्तमान स्तर से दोगुना करने की क्षमता रखता है। इसे 2034 तक पूरा करने की योजना है, और यह दुनिया के शीर्ष 10 बंदरगाहों में शामिल होने का अनुमान है।

वधावन पोर्ट:

1. **स्थान और तट:** वधावन पोर्ट महाराष्ट्र के पालघर जिले में अरब सागर के किनारे स्थित है।
2. **परियोजना संचालक:**
   - वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (VPPL) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (JNPA) द्वारा संचालित।
3. **प्रधानमंत्री गति शक्ति कार्यक्रम:**
   - यह परियोजना प्रधानमंत्री गति शक्ति कार्यक्रम के तहत देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के उद्देश्यों के साथ जुड़ी हुई है।
4. **ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट:**
   - यह पोर्ट ग्रीनफील्ड परियोजना के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें प्रारंभ से ही आधुनिक तकनीक और बुनियादी ढांचे को शामिल किया जाएगा।
5. **सार्वजनिक-निजी साझेदारी (PPP):**
   - परियोजना के मुख्य बुनियादी ढांचे, टर्मिनलों और वाणिज्यिक विकास के लिए सार्वजनिक-निजी साझेदारी का उपयोग किया जाएगा, जिससे विशेषज्ञता और दक्षता को बढ़ावा मिलेगा।

वधावन ग्रीनफील्ड पोर्ट परियोजना: मुख्य बिंदु

1. **विश्व के शीर्ष 10 बंदरगाहों में स्थान:** वधावन पोर्ट 2034 तक दोनों चरणों के पूर्ण होने के बाद दुनिया के शीर्ष 10 बंदरगाहों में शामिल होगा।
   - 2029 तक चार टर्मिनल और 2034 तक पांच अतिरिक्त टर्मिनल पूरे किए जाएंगे।
2. **भारत के कंटेनर व्यापार में वृद्धि:** इस परियोजना के पूरा होने से भारत की कंटेनर क्षमता दोगुनी हो जाएगी।
3. **परियोजना का प्रारंभिक विचार:** इस परियोजना की अवधारणा 1991-92 में की गई थी, लेकिन अब इसे साकार किया जा रहा है।
4. **परियोजना लागत और साझेदारी:**
   - ₹76,000 करोड़ की लागत वाली इस परियोजना का निर्माण वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (VPPL) द्वारा किया जा रहा है।
   - यह जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (JNPA) और महाराष्ट्र मेरीटाइम बोर्ड (MMB) का संयुक्त उपक्रम है, जिसमें JNPA की 74% और MMB की 26% हिस्सेदारी है।
5. **परियोजना का महत्व:**
   - यह भारत के कंटेनर व्यापार को नई ऊंचाई पर ले जाने के साथ-साथ देश के समुद्री व्यापार क्षेत्र में एक "गेम चेंजर" साबित होगी।

वधावन पोर्ट परियोजना: भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्व:

1. **क्षमता और दक्षता में वृद्धि:**
   - **पहला मेगा पोर्ट:** वधावन भारत का पहला मेगा पोर्ट होगा, जो बड़ी मात्रा में कार्गो और कैपेसाइज जैसे विशाल जहाजों को संभालने में सक्षम होगा।
   - **उन्नत क्षमता:** यह पोर्ट प्रति वर्ष 298 मिलियन मीट्रिक टन (MMT) कार्गो और 23.2 मिलियन TEU कंटेनर संभालने की क्षमता रखेगा।
   - **भीड़ में कमी:** वर्तमान में JNPA जैसे बंदरगाहों पर भारी दबाव को कम करेगा, जिससे माल परिवहन अधिक सुगम होगा।
2. **रणनीतिक स्थान और कनेक्टिविटी:**
   - **अंतरराष्ट्रीय व्यापार का केंद्र:** वधावन का स्थान इसे इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्टेशन कॉरिडोर (INSTC) और इंडिया-मिडल ईस्ट-यूरोप कॉरिडोर (IMEEC) के लिए महत्वपूर्ण लिंक बनाता है।
   - स्मूथ ट्रेड फ्लो: व्यापार को तेज और अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगा।
3. **आर्थिक विकास और रोजगार:**
   - **आयात-निर्यात व्यापार में बढ़ावा:** पोर्ट की क्षमता और स्थान भारत के आयात-निर्यात व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।
   - **रोजगार के अवसर:** परियोजना से लगभग 12,000 लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट:

ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट (Greenfield Project) ऐसे प्रोजेक्ट्स होते हैं जो पूरी तरह से नए स्थान पर शुरू किए जाते हैं, जहां पहले से कोई निर्माण, इन्फ्रास्ट्रक्चर, या कामकाज मौजूद नहीं होता। इसका मतलब है कि यह प्रोजेक्ट "शून्य से शुरुआत" करता है।

मुख्य विशेषताएँ:

1. **नई शुरुआत**: इन प्रोजेक्ट्स में किसी पुराने ढांचे का उपयोग नहीं किया जाता।
2. **संपूर्ण योजना**: डिजाइन, निर्माण और ऑपरेशन सब कुछ नए तरीके से होता है।
3. **भूमि उपयोग**: इन प्रोजेक्ट्स के लिए आमतौर पर खाली जमीन (ग्रीनफील्ड) का उपयोग होता है।
4. **पूंजी निवेश**: ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट में भारी निवेश की आवश्यकता होती है क्योंकि सबकुछ नए सिरे से बनाया जाता है।

ब्रिक्स देशों पर टैरिफ / Tariffs on BRICS countries

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने BRICS गठबंधन के नौ देशों को चेतावनी दी कि यदि वे अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने के लिए कोई कदम उठाते हैं, तो उनके खिलाफ 100% टैरिफ लगाया जाएगा। इस गठबंधन में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

टैरिफ क्या होता है?

टैरिफ का मतलब है आयातित (दूसरे देशों से लाई गई) या निर्यातित (दूसरे देशों को भेजी गई) वस्तुओं पर सरकार द्वारा लगाया गया कर। इसे **आयात शुल्क** या **सीमा शुल्क** भी कहा जाता है।

टैरिफ के मुख्य उद्देश्य:

1. **देश की अर्थव्यवस्था की सुरक्षा**: घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए टैरिफ लगाया जाता है।
2. **राजस्व जुटाना**: सरकार इस कर से आय अर्जित करती है।
3. **विदेशी व्यापार को नियंत्रित करना**: विदेशी वस्तुओं को महंगा बनाकर उनका आयात कम किया जा सकता है।

कारण:

डोनाल्ड ट्रंप ने BRICS देशों पर 100% टैरिफ लगाने की धमकी इसलिए दी है क्योंकि:

1. **डॉलर के प्रभुत्व को खतरा**:
   - डॉलर दुनिया के करीब 58% विदेशी मुद्रा भंडार का हिस्सा है (IMF के अनुसार)।
   - प्रमुख वस्तुएं, जैसे कि तेल, अभी भी मुख्य रूप से डॉलर में खरीदी-बेची जाती हैं।
   - BRICS देश अपने बढ़ते GDP हिस्से के साथ गैर-डॉलर मुद्राओं में व्यापार करने की योजना बना रहे हैं, जिसे **डि-डॉलराइजेशन** कहा जाता है।
2. **नई मुद्रा बनाने की योजना**:
   - BRICS देश डॉलर की जगह लेने के लिए नई मुद्रा बनाने या किसी अन्य मुद्रा को समर्थन देने की कोशिश कर रहे हैं।
   - ट्रंप ने इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बताते हुए कहा कि अगर ऐसा हुआ, तो इन देशों पर 100% टैरिफ लगाया जाएगा।

वर्तमान स्थिति-

1. **डॉलर का प्रभुत्व बरकरार**:
   - शोध के अनुसार, निकट भविष्य में डॉलर की भूमिका मुख्य वैश्विक आरक्षित मुद्रा के रूप में खतरे में नहीं है।
2. **डॉलर का महत्व**:
   - तेल और अन्य प्रमुख वस्तुओं का व्यापार डॉलर में जारी है।
   - डॉलर विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ा हिस्सा बनाए हुए है।

डि-डॉलराइजेशन क्या है?

डि-डॉलराइजेशन उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसमें देश अमेरिकी डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करते हैं। यह निर्भरता तीन मुख्य रूपों में होती है:

1. **आरक्षित मुद्रा (Reserve Currency):**
   - केंद्रीय बैंक विदेशी लेन-देन के लिए जो मुद्रा रखते हैं, उसे आरक्षित मुद्रा कहते हैं।
   - इसका उपयोग अंतरराष्ट्रीय व्यापार, विनिमय दर को स्थिर रखने और वित्तीय भरोसे को बढ़ाने के लिए किया जाता है।
2. **माध्यम विनिमय (Medium of Exchange):**
   - व्यापार में डॉलर का उपयोग कम करने का प्रयास।
3. **लेखा इकाई (Unit of Account):**
   - डॉलर का उपयोग मूल्य तय करने के लिए किया जाता है, जिसे कम करने का प्रयास होता है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की ताकत के कारण-

1. **ऐतिहासिक कारण:**
   - प्रथम विश्व युद्ध के बाद, अमेरिकी डॉलर ने पाउंड स्टर्लिंग की जगह लेना शुरू किया।
   - द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1944 के ब्रेटन वुड्स समझौते ने इसे वैश्विक आरक्षित मुद्रा के रूप में स्थापित किया।
2. **आरक्षित मुद्रा का दर्जा:**
   - दुनिया भर के केंद्रीय बैंक डॉलर को अपनी मुद्रा का समर्थन करने और अंतरराष्ट्रीय लेन-देन के लिए रखते हैं।
   - इससे डॉलर की वैश्विक मांग मजबूत बनी रहती है।
3. **स्थिरता और तरलता:**
   - अमेरिकी डॉलर को स्थिर और आसानी से उपयोग होने वाली मुद्रा माना जाता है।
4. **अमेरिकी अर्थव्यवस्था का आकार:**
   - 22 ट्रिलियन डॉलर से अधिक GDP के साथ, अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
   - इसके बड़े व्यापारिक लेन-देन के कारण डॉलर का उपयोग व्यापक है।
5. **नेटवर्क प्रभाव:**
   - डॉलर का उपयोग वैश्विक वित्तीय बाजारों और वस्तुओं (जैसे तेल) की कीमत तय करने में होता है।
   - इसका व्यापक उपयोग इसे और अधिक सुविधाजनक और प्रभावशाली बनाता है।

मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन / United Nations Convention to Combat Desertification

संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम सम्मेलन (United Nations Convention to Combat Desertification) की 16वीं बैठक (COP16) रियाद, सऊदी अरब (Riyadh, Saudi Arabia) में शुरू हो रही है।

- यह पहली बार है जब पश्चिम एशिया इस महत्वपूर्ण पर्यावरण सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।
- इस आयोजन में **भारत समेत 197 देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। यह सम्मेलन UNCCD की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित** किया जा रहा है।

परियोजना प्रस्तुति के मुख्य बिंदु-

1. **भारत की प्रस्तुति:**
   - 2 दिसंबर को भारत मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखे से निपटने के लिए अपनी नवीन पहल प्रस्तुत करेगा।
   - इस पहल में स्वदेशी प्रजातियों के वनीकरण, जैव विविधता संरक्षण, और उन्नत जल प्रबंधन रणनीतियों का उपयोग शामिल है।
2. **सम्मेलन का महत्व:**
   - **यह सम्मेलन 13 दिसंबर** तक चलेगा और सऊदी अरब द्वारा आयोजित सबसे बड़ा बहुपक्षीय कार्यक्रम है।
   - इसमें सरकारों, व्यवसायों और नागरिक समाज को टिकाऊ भूमि प्रबंधन पर सहयोग के लिए एक वैश्विक मंच मिलेगा।
3. **भारत का योगदान:**
   - भारत की पहल AGWP (Afforestation and Green Water Practices) को वैश्विक स्तर पर समान परियोजनाओं के लिए एक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है।
   - यह भारत की भूमि क्षरण से निपटने की प्रतिबद्धता और पर्यावरण नेतृत्व में बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।
4. **महत्वपूर्ण चर्चा और उद्देश्य:**
   - वन विशेषज्ञ, मंत्री और संरक्षण नेताओं के बीच चर्चा होगी।
   - हरित रोजगार अवसरों का सृजन और पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम सम्मेलन (UNCCD)

स्थापना: 1994 में स्थापित, यह पर्यावरण और विकास को टिकाऊ भूमि प्रबंधन से जोड़ने वाला एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता है।

सदस्य: 196 देश और यूरोपीय संघ।

मुख्य उद्देश्य:

1. भूमि की रक्षा और पुनर्स्थापना करना।
2. एक सुरक्षित, न्यायपूर्ण, और टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करना।
3. स्थानीय लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए मरुस्थलीकरण से निपटना।

प्रमुख पहलें:

1. भूमि क्षरण न्यूट्रैलिटी (LDN) लक्ष्य कार्यक्रम (2015)

- सदस्य देशों को भूमि क्षरण न्यूट्रैलिटी हासिल करने के लिए स्वैच्छिक लक्ष्य तय करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- **LDN**: भूमि संसाधनों का टिकाऊ प्रबंधन, जो पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं और खाद्य सुरक्षा का समर्थन करता है।
- **भारत का लक्ष्य**: 2030 तक 26 मिलियन हेक्टेयर भूमि पुनर्स्थापित करना।

2. रणनीतिक ढांचा 2018–2030 (2017)

- मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा चिंताओं को राष्ट्रीय नीतियों में शामिल करने का आग्रह।

भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण की समस्या

परिभाषा: भूमि क्षरण का मतलब मिट्टी की उत्पादन क्षमता का गिरना या खोना है, जिससे वर्तमान और भविष्य की जरूरतें प्रभावित होती हैं।

वैश्विक स्थिति:

- दुनिया की 40% भूमि क्षरण से प्रभावित।
- हर साल 100 मिलियन हेक्टेयर उपजाऊ भूमि खत्म हो जाती है।

भारत की स्थिति:

- 32% भूमि क्षरण का शिकार।
- 25% भूमि मरुस्थलीकरण से प्रभावित।

2023 में एड्स मौतों में 79% और HIV संक्रमण में 44% की कमी / Reduce AIDS deaths by 79% and HIV infections by 44% by 2023

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बताया गया कि देश में **एड्स से होने वाली मौतों में 79%** और **HIV संक्रमण में 44%** की कमी दर्ज की गई है। भारत **2030 तक एड्स समाप्त करने** के **संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य (SDG)** को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्व एड्स दिवस 2024 कार्यक्रम का उद्घाटन-

मुख्य बिंदु:

1. **कार्यक्रम का शुभारंभ:**
   - इंदौर, मध्य प्रदेश में विश्व एड्स दिवस 2024 का आयोजन किया गया।
2. **इस वर्ष की थीम:**
   - थीम: **"Take the Rights Path"** (अधिकारों के सही रास्ते पर चलें)।
   - यह थीम सभी के लिए समान अधिकार, गरिमा, और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर देती है।
3. **महत्वपूर्ण संदेश:**
   - एड्स के खिलाफ लड़ाई में सभी को एकजुट होना चाहिए।
   - यह दिन उन लोगों के प्रति सम्मान प्रकट करने और उनके प्रयासों को याद करने का अवसर है, जिन्होंने एड्स के खिलाफ संघर्ष किया है।
4. **भारत की उपलब्धियां:**
   - 2010 की तुलना में 2023 में एचआईवी के नए मामलों में 44% की कमी दर्ज की गई।
   - एड्स से संबंधित मौतों में 79% की गिरावट आई।
   - देश अब एचआईवी दवाओं का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन चुका है।
5. **एड्स के खिलाफ तीन प्रमुख निर्देश:**
   - सावधानी बरतें।
   - स्वस्थ और सकारात्मक व्यवहार अपनाएं।
   - एड्स से संबंधित मिथकों और गलतफहमियों के खिलाफ जागरूकता बढ़ाएं।
6. **भविष्य का लक्ष्य:**
   - देश 2030 तक एड्स सहित कई महामारी रोगों को समाप्त करने की दिशा में कार्यरत है।
   - मध्य प्रदेश ने 2028 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने का लक्ष्य रखा है।

HIV/AIDS क्या है?

एचआईवी (ह्यूमन इम्यूनोडेफिशियेंसी वायरस) एक वायरस है जो शरीर की इम्यून सिस्टम (प्रतिरक्षा प्रणाली) को कमजोर कर देता है। जब शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है, तो व्यक्ति अन्य संक्रमणों और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है।

एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिशियेंसी सिंड्रोम) एक ऐसी स्थिति है जो HIV के कारण होती है और यह एक गंभीर, जीवन-घातक बीमारी बन सकती है। अगर HIV का इलाज नहीं किया जाता है, तो यह एड्स में बदल सकता है।

संक्रमण का तरीका:

1. **यौन संपर्क**: यह एक यौन संचारित रोग (STI) है।
2. **संक्रमित रक्त से संपर्क**: संक्रमित रक्त से भी यह फैल सकता है, जैसे कि नशीले पदार्थों के इंजेक्शन के लिए सुइयों को साझा करने से।
3. **माँ से बच्चे तक**: गर्भावस्था, प्रसव या स्तनपान के दौरान यह माँ से बच्चे को भी फैल सकता है।

उपचार:

- वर्तमान में इसका कोई प्रभावी इलाज नहीं है। एक बार व्यक्ति को HIV हो जाने पर यह जीवनभर रहता है।
- लेकिन सही चिकित्सा देखभाल से HIV को नियंत्रित किया जा सकता है।
- अगर HIV संक्रमित व्यक्ति को प्रभावी उपचार (जिसे एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी या ART कहते हैं) मिले, तो वे लंबा और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं और अपने पार्टनर को भी सुरक्षित रख सकते हैं।

महाकुंभ मेला जिला / Maha Kumbh Mela District

उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुंभ मेला क्षेत्र को राज्य का 76वां अस्थायी जिला घोषित किया है। अधिसूचना के मुताबिक चार तहसीलों वाले इस जिले में कुल 67 गांव होंगे.

- **घोषणा का उद्देश्य:** पूर्ण कुंभ मेले के विशेष आयोजन को सुचारू और प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए महाकुंभ मेला क्षेत्र को अलग जिला बनाया गया। इसे महाकुंभ मेला जनपद के नाम से जाना जाएगा.
- **प्राधिकरण अधिनियम:** उत्तर प्रदेश प्रयागराज मेला प्राधिकरण अधिनियम, 2017 की धारा 2(ठ) के तहत यह आदेश जारी किया गया।
- **जिला मजिस्ट्रेट की भूमिका**: प्रयागराज के जिला मजिस्ट्रेट (DM) रविंद्र कुमार मांदड़ ने अधिसूचना जारी की।
- **अलग प्रशासनिक इकाई:** महाकुंभ मेला क्षेत्र को एक स्वतंत्र प्रशासनिक इकाई के रूप में मान्यता दी गई।

महाकुंभ मेला क्षेत्र को नया जिला क्यों बनाया गया?

- **विशेष आयोजन का प्रबंधन:** महाकुंभ मेले के आयोजन को सुचारू और प्रभावी तरीके से प्रबंधित करने के लिए।
- **प्रशासनिक कार्यों में सुधार**: प्रशासनिक कार्यों को बेहतर तरीके से संचालित करने के उद्देश्य से।
- **सुविधाजनक व्यवस्था:** मेले की तैयारियों को समय पर पूरा कराने और व्यवस्था को व्यवस्थित बनाने के लिए।
- **महत्वपूर्ण भूमिका:** नया जिला प्रशासन आयोजन को सुचारू और व्यवस्थित रूप से संचालित करने में मदद करेगा।
- **महाकुंभ 2025 की तारीखें**: 13 जनवरी से 26 फरवरी के बीच होने वाले महाकुंभ मेले के लिए तैयारी सुनिश्चित करने हेतु।

नए जिले बनाने के फायदे-

1. गुड गवर्नेंस और तेज सर्विस डिलीवरी।
2. प्रशासनिक दक्षता।
3. कानून व्यवस्था में सुधार।
4. बुनियादी सुविधाओं का विकास।
5. राजस्व और आर्थिक विकास।
6. सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन।
7. प्रशासन को लोगों के करीब लाना।
8. राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता।

भारत में नए जिलों के निर्माण की प्रक्रिया:

- नए जिले बनाने या मौजूदा जिलों को बदलने या खत्म करने का अधिकार राज्य सरकारों के पास है। यह या तो कार्यकारी आदेश के ज़रिए किया जा सकता है या राज्य विधानसभा में कानून पारित करके।
- कई राज्य केवल आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना जारी करके कार्यकारी मार्ग को प्राथमिकता देते हैं।

जिला पुनर्गठन में केंद्र सरकार की भूमिका:

1. **सीमित भागीदारी**:
   - जिला सुधार में केंद्र सरकार की भूमिका न्यूनतम होती है, और यह मुख्यत: नाम परिवर्तन से संबंधित होती है।
2. **नाम परिवर्तन की प्रक्रिया**:
   - जिलों या रेलवे स्टेशनों का नाम बदलने के लिए राज्य सरकारें विभिन्न केंद्रीय संस्थाओं से मंजूरी प्राप्त करती हैं, जैसे:
     - गृह मंत्रालय
     - पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
     - खुफिया ब्यूरो
     - डाक विभाग
     - भारतीय भौगोलिक सर्वेक्षण
     - रेल मंत्रालय

जिला गठन में चुनौतियाँ:

1. **सीमाएं और लागतें**:
   - प्रशासनिक बुनियादी ढांचे की स्थापना में भारी वित्तीय बोझ होता है, जो बड़े पैमाने पर जिला निर्माण को रोक सकता है।
2. **संसाधन आवंटन**:
   - इस प्रक्रिया में कार्यालय स्थापित करना, अधिकारियों और लोक सेवकों की तैनाती करना शामिल है, जिसका प्रभाव राज्य के बजट पर पड़ता है।

नवंबर में GST संग्रह 8.5% बढ़ा / GST collection increased by 8.5% in November

नवंबर 2024 में भारत सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (GST) से 1.82 लाख करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया, जो वार्षिक आधार पर 8.5% की वृद्धि है। यह लगातार नौवां महीना है जब मासिक GST संग्रह 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। यह संग्रह अब तक के तीसरे सबसे बड़े ग्रॉस GST संग्रह के रूप में दर्ज हुआ है। अप्रैल 2024 में सबसे अधिक 2.10 लाख करोड़ रुपये GST संग्रह किया गया था।

मुख्य बिंदु:

1. वार्षिक आधार पर वृद्धि:

- नवंबर 2023 में GST संग्रह ₹1.68 लाख करोड़ था।
- नवंबर 2024 में यह बढ़कर ₹1.82 लाख करोड़ हो गया, जिसमें 8.5% की वृद्धि दर्ज की गई।

2. वित्त वर्ष 2024-25 का कुल संग्रह:

- अप्रैल 2024 से नवंबर 2024 तक कुल GST संग्रह ₹14.56 लाख करोड़ रहा।
- वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में ₹10.87 लाख करोड़ GST संग्रह हुआ, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 9.5% अधिक था।

3. सर्वोच्च GST संग्रह:

- अब तक का सबसे बड़ा मासिक GST संग्रह अप्रैल 2024 में ₹2.10 लाख करोड़ था।
- अक्टूबर 2024 और अप्रैल 2023 में ₹1.87 लाख करोड़ का संग्रह हुआ, जो अब तक का दूसरा सबसे बड़ा संग्रह है।
- नवंबर 2024 का संग्रह ₹1.82 लाख करोड़ के साथ तीसरे स्थान पर है।

4. डोमेस्टिक ट्रांजेक्शन और आयात का योगदान:

- नवंबर 2024 में डोमेस्टिक ट्रांजेक्शन से GST संग्रह 9.4% बढ़कर ₹1.40 लाख करोड़ हुआ।
- आयातित वस्तुओं पर GST संग्रह 6% बढ़कर ₹42,591 करोड़ रहा।

5. GST संग्रह का वर्गीकरण:

- **सेंट्रल GST (CSGT):** ₹34,141 करोड़।
- **स्टेट GST (SGST):** ₹43,047 करोड़।
- **इंटिग्रेटेड GST (IGST):** ₹91,828 करोड़।
- **उपकर (Cess):** ₹13,253 करोड़।

6. रिफंड और नेट GST संग्रह:

- नवंबर 2024 में कुल ₹19,259 करोड़ का रिफंड जारी किया गया, जो नवंबर 2023 की तुलना में 8.9% कम है।
- रिफंड समायोजन के बाद नेट GST संग्रह 11% बढ़कर ₹1.63 लाख करोड़ हुआ।

7. लगातार उच्च मासिक संग्रह:

- नवंबर 2024 लगातार नौवां महीना है जब मासिक GST संग्रह ₹1.7 लाख करोड़ से अधिक रहा।
- यह संग्रह देश की आर्थिक गतिविधियों और बेहतर टैक्स अनुपालन का संकेत है।

वस्तु एवं सेवा कर (GST) क्या है?

- वस्तु एवं सेवा कर (GST) एक प्रकार का अप्रत्यक्ष कर (Indirect Tax) है, जो भारत में बेचे जाने वाले अधिकतर वस्तुओं और सेवाओं पर लगाया जाता है।
- यह मूल्य वर्धित कर (Value Added Tax - VAT) के सिद्धांत पर आधारित है और पूरे भारत में लागू है।
- GST का भुगतान उपभोक्ता (Consumer) करते हैं, लेकिन इसे सरकार को बेचने वाले व्यवसाय (Business) द्वारा जमा किया जाता है।
- यह पहले से लगाए जाने वाले विभिन्न अप्रत्यक्ष करों (जैसे उत्पाद शुल्क, सेवा कर, वैट आदि) को हटाकर उनकी जगह लागू किया गया है।

भारत में GST का इतिहास और विकास:

- 2003: केलकर टास्क फोर्स ने मूल्य वर्धित कर (VAT) पर आधारित एक व्यापक GST का सुझाव दिया।
- 2006-07: बजट भाषण में 1 अप्रैल 2010 से राष्ट्रीय स्तर पर GST लागू करने का प्रस्ताव रखा गया।
- 2014: "एक राष्ट्र, एक कर" प्रणाली लागू करने के लिए संविधान (122वां संशोधन) विधेयक पेश किया गया।
- 2016: यह विधेयक संविधान (101वां संशोधन) अधिनियम के रूप में पारित हुआ।
- 1 जुलाई 2017: GST पूरे देश में लागू किया गया।

GST के घटक:

1. **सेंट्रल GST (CGST):** केंद्र सरकार द्वारा वसूला जाने वाला कर।
2. **स्टेट GST (SGST):** राज्य सरकार द्वारा वसूला जाने वाला कर।
3. **इंटीग्रेटेड GST (IGST):** अंतर-राज्यीय लेनदेन पर लगाया जाने वाला कर।
4. **उपकर (Cess):** विशेष उद्देश्यों के लिए अतिरिक्त कर।

भोपाल गैस त्रासदी / Bhopal Gas Tragedy

भोपाल गैस त्रासदी को 40 साल पूरे हो गए हैं। 2-3 दिसंबर 1984 की रात, भोपाल में यूनियन कार्बाइड के संयंत्र से रिसी गैस के कारण हजारों लोगों की मौत हुई और लाखों लोग प्रभावित हुए।

- यह त्रासदी भारत के सबसे भयावह औद्योगिक हादसों में एक मानी जाती है, जिसके बाद सुरक्षा मानकों और औद्योगिक नीतियों पर गंभीर सवाल उठे।

भोपाल गैस त्रासदी:

भोपाल गैस त्रासदी मानव इतिहास की सबसे भयंकर औद्योगिक दुर्घटनाओं में से एक है। यह 2-3 दिसंबर 1984 की रात को मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में हुई थी।

क्या हुआ था?

- अमेरिकी कंपनी **यूनियन कार्बाइड** के कारखाने से **मिथाइल आइसोसाइनेट (MIC)** गैस का रिसाव हुआ।
- MIC एक अत्यधिक जहरीली गैस है, जिसका इस्तेमाल कीटनाशकों के उत्पादन में किया जाता है।

प्रमुख आंकड़े और तथ्य:

1. **गैस रिसाव:**
   - करीब **40 टन MIC गैस** फैक्ट्री से लीक हुई।
   - यह गैस हवा से भारी थी, इसलिए यह ज़मीन के करीब फैल गई और आसपास के बस्तियों को प्रभावित किया।
2. **मृत्यु और प्रभावित लोग:**
   - तत्काल मौतें: 3,000-5,000 लोग।
   - लंबी अवधि में मौतें: करीब **25,000-30,000**।
   - प्रभावित: 5 लाख से अधिक लोग, जिनमें सांस लेने की समस्या, कैंसर और अन्य बीमारियां पाई गईं।
3. **मुख्य कारण:**
   - सुरक्षा उपायों की कमी, जैसे कि गैस कूलिंग सिस्टम और वॉर्निंग अलार्म।
   - फैक्ट्री की खराब स्थिति और रखरखाव की कमी।
4. **प्रभाव:**

- **स्वास्थ्य पर:**
  - आंखों में जलन, सांस लेने में दिक्कत, फेफड़ों और किडनी का खराब होना।
  - बच्चों में जन्मजात विकृतियां।
- **पर्यावरण पर:**
  - मिट्टी और पानी जहरीला हो गया।
  - आज भी आसपास का क्षेत्र प्रदूषित है।

भविष्य में आपदाओं को रोकने के लिए पहल-

1. **नियमों को सख्त करना:** भारत ने खतरनाक उद्योगों को नियंत्रित करने और हादसों को रोकने के लिए कई कानून बनाए हैं, जैसे-
   - **विस्फोटक अधिनियम, 1884**
   - **रासायनिक आपदा (आपात योजना, तत्परता और प्रतिक्रिया) नियम 1996**
   - **पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986**
2. **राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (NGT):** यह संस्था पर्यावरण उल्लंघनों को सुलझाती है, जिसमें औद्योगिक दुर्घटनाएँ भी शामिल हैं, और प्रभावित समुदायों को न्याय प्राप्त करने का मंच प्रदान करती है।
3. **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के दिशा-निर्देश:** ये दिशा-निर्देश निरीक्षण प्रणाली, आपातकालीन तत्परता और समुदाय जागरूकता की महत्वपूर्णता को बताते हैं।

जय शाह ICC चेयरमैन बने / Jay Shah became ICC chairman

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव जय शाह ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) के चेयरमैन पद का कार्यभार संभाल लिया है। 36 वर्ष की आयु में यह पद ग्रहण करने वाले जय शाह ICC के सबसे युवा चेयरमैन बने हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले का स्थान लिया है।

जय शाह निर्विरोध ICC चेयरमैन चुने जाने के मुख्य बिंदु:

1. **निर्विरोध चयन:**
   - जय शाह ने ICC चेयरमैन पद के लिए एकमात्र नामांकन दाखिल किया।
   - 27 अगस्त, 2024 तक किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन नहीं भरा, जिससे वे निर्विरोध चुने गए।
2. **ग्रेग बार्कले का कार्यकाल समाप्त:**
   - पूर्व चेयरमैन ग्रेग बार्कले का कार्यकाल 30 नवंबर को समाप्त हुआ।
   - वे 2020 से इस पद पर थे और तीसरे कार्यकाल के लिए इच्छुक नहीं थे।
3. **सबसे युवा चेयरमैन:**
   - जय शाह 36 साल की उम्र में ICC के सबसे युवा चेयरमैन बने।
   - उनसे पहले सबसे युवा अध्यक्ष 56 वर्ष की उम्र में बने थे।
4. **नया इतिहास:**
   - जय शाह ने ICC के 16 चेयरमैनों में सबसे कम उम्र का रिकॉर्ड बनाया।
   - उनका चयन भारतीय क्रिकेट में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

अब तक ICC चेयरमैन बने भारतीय:

- जगमोहन डालमिया (1997–2000)
- शरद पवार (2010–2012)
- एन. श्रीनिवासन (2014–2015)
- शशांक मनोहर (2015–2020)

ICC के बारे में:

स्थापना: ICC की स्थापना 1909 में "इम्पीरियल क्रिकेट कॉन्फ्रेंस" के रूप में की गई थी। इसे 1989 में "इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल" (ICC) नाम दिया गया।

कार्य: ICC क्रिकेट का वैश्विक शासी निकाय है। यह प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों का आयोजन करता है, जिनमें ICC क्रिकेट विश्व कप, ICC T20 विश्व कप और ICC चैंपियंस ट्रॉफी शामिल हैं।

सदस्यता: 2024 तक ICC के कुल 108 सदस्य हैं, जिनमें 12 पूर्ण सदस्य हैं जो टेस्ट मैच खेलते हैं और 96 सहायक सदस्य हैं।

मुख्यालय: ICC का मुख्यालय दुबई, यूएई में स्थित है।

भारत-कंबोडिया का पहला संयुक्त अभ्यास 'सिनबैक्स' शुरू / India-Cambodia's first joint exercise 'SINBEX' begins

भारतीय सेना और कंबोडियाई सेना के बीच पहला संयुक्त टेबल टॉप अभ्यास 'सिनबैक्स' पुणे में शुरू हुआ है। यह अभ्यास 1 से 8 दिसंबर 2024 तक चलेगा।

सिनबैक्स अभ्यास के मुख्य बिंदु:

1. **अभ्यास की शुरुआत**: भारतीय और कंबोडियाई सेना के बीच पहला संयुक्त टेबल टॉप अभ्यास 'सिनबैक्स' पुणे में शुरू।
2. **अवधि**: यह अभ्यास 1 से 8 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया जाएगा।
3. **सेनाओं की भागीदारी**: दोनों देशों से 20-20 सैनिक, भारतीय सेना की ओर से एक इन्फैंट्री ब्रिगेड शामिल।
4. **भारतीय हथियारों का प्रदर्शन**: अभ्यास में भारतीय हथियारों और उपकरणों का प्रदर्शन, स्वदेशी क्षमताओं और 'आत्मनिर्भरता' को बढ़ावा।
5. **उद्देश्य**: सैनिकों के बीच विश्वास और सौहार्द बढ़ाना, शांति स्थापना अभियानों के लिए संयुक्त परिचालन दक्षता में सुधार।
6. **मंत्रालय का दृष्टिकोण**: अंतर-संचालन के वांछित स्तर को प्राप्त करना और दोनों सेनाओं की संयुक्त क्षमताओं को सुदृढ़ बनाना।

सिनबैक्स अभ्यास: तीन चरणों में आयोजन:

1. **पहला चरण**:
   - संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों के लिए प्रतिभागियों की तैयारी और उन्मुखीकरण।
   - सीटी (काउंटर-टेररिज्म) संचालन पर केंद्रित।
2. **दूसरा चरण**:
   - टेबल टॉप अभ्यासों का संचालन।
   - रणनीतियों और योजनाओं पर गहन चर्चा।
3. **तीसरा चरण**:
   - योजनाओं को अंतिम रूप देना और सारांश तैयार करना।
   - स्थिति-आधारित चर्चाओं और सामरिक अभ्यासों के माध्यम से प्रशिक्षण के व्यावहारिक पहलुओं की समझ।

सिनबैक्स :

- यह एक योजना अभ्यास है जिसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के तहत संयुक्त आतंकवाद रोधी (सीटी) अभियानों का युद्ध अभ्यास करना है।
- इस अभ्यास में शहरी वातावरण में संचालन की योजना के अलावा खुफिया, निगरानी और टोही के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्य बल की स्थापना से संबंधित चर्चाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- इसमें विभिन्न आकस्मिकताओं पर युद्ध अभ्यास किया जाएगा और उप-पारंपरिक अभियानों में बल की संख्या बढ़ाने पर भी चर्चा की जाएगी।

कंबोडिया: एक परिचय-

1. **भौगोलिक स्थिति**:
   - कंबोडिया दक्षिण-पूर्व एशिया में स्थित है।
   - इसकी सीमाएं वियतनाम, थाईलैंड और लाओस से लगती हैं।
2. **राजधानी और मुद्रा**:
   - राजधानी: नोम पेन्ह (Phnom Penh)।
   - मुद्रा: कंबोडियन रियाल (Cambodian Riel)।
3. **धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व**:
   - विश्व का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर परिसर और धार्मिक स्मारक *अंकोरवाट मंदिर* कंबोडिया में स्थित है।
   - इस मंदिर का निर्माण सम्राट सूर्यवर्मन द्वितीय ने 1112-53 ई. में कराया।
   - 1992 में अंकोरवाट मंदिर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।
4. **अन्य विशेषताएं**:
   - यह देश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक स्मारकों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है।
   - बौद्ध धर्म और हिंदू धर्म का गहरा प्रभाव यहां की परंपराओं और कला में दिखता है।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC

TEST SERIES

- 100+ Mock Test
- 78 Sectional Test
- 40+ years PYPs
- 60+ Current affairs

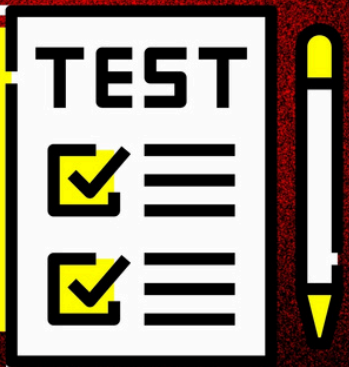

Only 99 Per Year

Buy Now

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY POLITY

1499 RS

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !